नेक पहल : कुविवि ने अस्थायी रोजगार कार्यक्रम के तहत शुरु किया प्रयोगशाला/कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम

कुलपति प्रो. रावत की पहल पर इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग कर विद्यार्थी कार्य के लिए प्राप्त करेंगे फैलोशिप

आज समाचार सेवा

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं और कार्यालयों में मूल्यवान कार्य अनुभव प्राप्त करने में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। प्रयोगशाला/ कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रतिभागियों की शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनको वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयारी में भी प्रभावशाली सिद्ध होगा। बता दें कि कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत की पहल पर चलाये जा रहे अस्थायी रोजगार कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के परिसरों में नामांकित छात्र-छात्राएं अपने अध्ययन काल के दौरान प्रयोगशाला/कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग कर किए गए कार्य के लिए फैलोशिप प्राप्त कर सकेंगे। इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत एक प्रशिक्षु के विभाग में रहने की अवधि प्रति सप्ताह 4 से 6 घंटे अथवा उस इंटर्नशिप कार्यक्रम पर आधारित होगा जिसमें वह प्रतिभाग करेगा। इंटर्नशिप कार्यक्रम वर्तमान छात्रों के लिए होगा एवं इस कार्यक्रम में नियुक्त छात्रों को इंटर्न के रूप में जाना जाएगा।

अस्थायी रोजगार कार्यक्रम के तहत आरम्भ किये गए प्रयोगशाला/कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम को संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की बैठक में सर्वसम्मिति से मंजूरी प्रदान की गई है। स्नातक और स्नातकोत्तर के अतिरिक्त जो शोध छात्र हैं उन्हें भी प्रयोगशाला/कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का अवसर विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया जा रहा है। प्रयोगशाला/ कार्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपने विभाग के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे एवं आवेदन की प्रक्रिया जल्द ही प्रारंभ कर दी जाएगी।

'गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल के वाणिज्य विभाग के द्वारा 9 और 10 अक्टूबर को 'गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकासरू संभावनाएं एवं चुनौतियां' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री यशोधर मठपाल एवं कुलपति प्रो० दीवान सिंह रावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो० यशोधर मठपाल ने होमस्टे को पुरातत्व तथा विलुप्त हो रही नदी–नाले तथा अन्य प्रकार की कलाकृतियां पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होमस्टे के साथ ही हमें इनका संरक्षण भी करना होगा। यदि प्रकृति का संरक्षण नहीं कर पाए तो धीरे–धीरे यह भी विलुप्त हो जाएंगे। होमस्टे की प्रक्रिया पर उन्होंने कहा कि एक ऐसी योजना होनी चाहिए कि जिससे जो पर्यटक आ रहा है, उसका रजिस्ट्रेशन हो और उसके आने के उद्देश्य का पता चले और जिससे कि यहां की संस्कृति को और ज्यादा प्रचार–प्रसार किया जा सके।

संगोष्ठी

पद्मश्री यशोधर मठपाल ने दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ

होम स्टे के लिए प्रकृति का संरक्षण जरूरी : मठपाल

संवाद न्यूज एजेंसी

नैनीताल। होमस्टे के साथ ही हमें प्रकृति का भी संरक्षण करना होगा। यदि प्रकृति का संरक्षण नहीं कर पाए तो धीरे-धीरे होम स्टे भी विलुप्त हो जाएंगे। यह बात पद्मश्री प्रो. यशोधर मठपाल ने नैनीताल में आयोजित संगोष्ठी में कही।

कुमाऊं विवि के वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सोमवार को विवि के देवदार हॉल स्वामी विवेकानंद भवन में शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि पद्मश्री यशोधर मठपाल समेत अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गृह प्रवास पर्यटन एवं भारतीय हिमालय क्षेत्र में सतत विकासः संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा हिमालयी क्षेत्र में गृह प्रवास जैसे विषय पर मंथन की विशेष पहल है। मुख्य वक्ता प्रो. एससी बागरी ने कहा कि विवि हो महाविद्यालय तथा संस्थाओं की ओर से बोस्ट विलेज को गोद लिया जाए और ऐसी जगह पर होमस्टे की परिकल्पना को साकार किया जाए।

संगोष्ठी को संबोधित करते कुलपति प्रो. डीएस रावत। संवाद

ये रहे मौजूद

उच्च शिक्षा निदेशक सीडी सुंठा, डीसीबी परिसर निदेशक प्रो. नीति बोरा शर्मा, प्रो. चंद्रकला रावत, प्रो. एसएस यादव, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. एमएस मालड़ी, प्रो. युगल जोशी, भुवन नोटियाल, डॉ. आरती पंत, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ममता जोशी, डॉ. निधि वर्मा, डॉ. हिमानी जलाल, डॉ. मनोज पांडे, डॉ. जीवन उपाध्याय, अंकिता आर्या, डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. पूजा जोशी पालीवाल, डॉ. विनोद जोशी, रीतिशा शर्मा, आस्था अधिकारी, सुविधा नाज, प्रीति आदि मौजूद रहे। संचालन प्रो. दिव्या जोशी उपाध्याय ने किया।

विशिष्ट अतिथि विधायक सरिता आर्या, प्रो. एसएस खनका, कार्यक्रम संयोजक प्रो. अतुल जोशी ने सतत विकास, हिमालय एवं गृह प्रवास पर विचार रखे। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में देशभर के विभिन्न स्थानों से शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। बेंगलुरु से डॉ. संध्या, पिथौरागढ़ से मल्लिका वर्दी आदि ने शोध पत्र पेश किए। एनसीसी के छात्रों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों को लैब से लैंड तक पहुंचाने की जरुरत

- बोले : कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत
- विश्व फार्मासिस्ट दिवस के मौके पर सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन

आज समाचार सेवा

नैनीताल। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित परिसर में सतत शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने दवा निर्माण के क्षेत्र में शैक्षिक एवं शोध संस्थानों के सफल प्रयोग एवं उसके जन स्वास्थ्य में प्रयोग में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इससे पूर्व भेषज विज्ञान विभाग में विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत फार्मासिस्टों के लिए आयोजित सतत शिक्षा कार्यक्रम का कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीवान सिंह रावत ने विधिवत उद्घाटन किया। प्रो.रावत द्वारा विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों को लैब से लैंड तक पहुंचाने पर जोर देते हुए जल्द ही विश्वविद्यालय में इस हेतु कार्ययोजना लागू करने की जानकारी दी। बैठक में उपस्थित जिला चिकित्साधिकारी डॉ. भागीरथी जोशी ने फार्मासिस्टों को स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बताते हुए कार्यक्षेत्र में बेहतर कार्य क्षमता हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में खाद्य एवं औषधि विभाग के वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनीता भारती, मीनाक्षी बिष्ट, महेंद्र बिष्ट एवं संजय प्रभाकर को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तीन शैक्षिक सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम सत्र में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पीयूष मित्तल द्वारा प्रिसक्रिप्शन ऑडिट के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए विस्तृत एवं नवीनतम जानकारियां फार्मासिस्टों को दी गई। द्वितीय सत्र में ओपन चर्चा के माध्यम से फार्मेसी क्षेत्र में हॉस्पिटल फार्मेसी के उत्थान के संबंध में सारगर्वित चर्चा की गई वहीं खाद्य एवं औषधि विभाग उत्तराखंड सरकार की विशेषज्ञ मीनाक्षी बिष्ट द्वारा दवा विक्रय तथा भंडारण एवं इससे संबंधित विभिन्न दिशा निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई और अंतिम सत्र में ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय की प्रो. हिमांशु जोशी द्वारा दवा के शरीर में विभिन्न प्रभावों एवं दुष्प्रभावों से रोकथाम पर विस्तृत चर्चा के द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम को कार्यक्रम संयोजक प्रो. अनीता सिंह, परिषद के निदेशक एल के सिंह, तकनीकी संकायाध्यक्ष डॉ. कुमुद उपाध्याय द्वारा भी संबोधित किया गया। वही कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रबंध अध्ययन प्रो. अमित जोशी ,विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी प्रो. तपन नैनवाल भी शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 107 पंजीकृत फार्मासिस्टों ने प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी बताते हुए विश्व फार्मासिस्ट दिवस की उपलक्ष पर ऐसे आयोजन की आवश्यकता जतायी। कार्यक्रम का संचालन आयोजक सचिव डॉ. महेंद्र सिंह राणा ने किया। कार्यक्रम में विभाग के डॉ. तीरथ कुमार , डॉ. राजेश्वर कमल कांत, डॉ. अमित जोशी, डॉ. विरेंद्र कौर, डा. लक्ष्मण सिंह रौतेला, सुमित दुर्गापाल, डॉ. तनुज जोशी, अरविंद जंतवाल, चंद्रकांता, प्रिया गुप्ता, मनीष पाठक सहित सभी शिक्षक कर्मचारी शामिल हुए।

फूड टेक्नोलॉजी एंड न्यूट्रिशन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

कुमाऊं विश्वविद्यालय के भीमताल स्थित कम्युनिटी कॉलेज द्वारा उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की वित्तीय सहयोग के साथ फूड टेक्नोलॉजी एंड न्यूट्रिशन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि कुलपति कुविवि प्रो० दीवान सिंह रावत ने खाद्य तकनीक के क्षेत्र में नवीन विधाओं, प्रौद्योगिकी के महत्व की जानकारी देते हुए भारतीय संस्कृति में खानपान की विशिष्टता का उल्लेख करते हुए इस क्षेत्र में नवीन नवाचार और स्टार्टअप पर जोर दिया तथा भविष्य में पीएम–उषा योजना के तहत विश्वविद्यालय को प्राप्त मेरु योजना की 100 करोड़ अनुदान से विश्वविद्यालय में विभिन्न केंद्रों, पाठ्यक्रमों प्रारंभ किए जाने के साथ भविष्य में विश्वविद्यालय की नवीन गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के एमेरिटस प्रोफेसर चंद्रशेखर मथेला ने खाद्य तकनीक एवं न्यूट्रीशन पर केंद्रित होकर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें विभिन्न तकनीक के साथ खाद्य विशिष्टता पर केंद्रित होकर गुणवत्ता के परिष्करण पर चर्चा की। संगोष्ठी में तीन वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया गया।

1 कुमाऊँ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने किया माइक्रोफाइनांस के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

दिनांक 10 मई 2024 को कुमाऊं विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा ष्बुरांश सभागारष् में माइक्रोफाइनांस के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम कंडवाल, विशिष्ट अतिथि निदेशक उच्च शिक्षा उत्तराखंड श्रीमती अंजू अग्रवाल, मुख्य वक्ता पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा उत्तराखंड प्रो० सी०डी० सूंठा एवं निदेशक आई०क्यू०ए०सी० प्रो० संतोष कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग प्रो० अतुल जोशी एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता एवं निदेशक आई०क्यू०ए०सी० का पुष्पगुच्छ एवं बैज अलकरण के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही इंटीग्रेटेड बी०एड० विभाग की छात्राओं द्वारा कुलगीत, स्वागत गीत एवं उत्तराखंड की लोक संस्कृति से परिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिन्हें सभागार में उपस्थित समस्त

कुमाऊँ विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद पीठ के तत्वाधान में "ब्रिजिंग द गैप: अन्सिएंट थॉट, मॉडर्न लाइफ" विषयक पर आयोजित हुई स्वामी विवेकानंद व्याख्यान माला

दिनांक 22 मई, 2022 को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के बुरांश सभागार में स्वामी विवेकानंद पीठ के तत्वाधान में "ब्रिजिंग द गैप: अन्सिएंट थॉट, मॉडर्न लाइफ" विषयक स्वामी विवेकानंद व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ न्यूयॉर्क की वेदांत सोसाइटी के प्रमुख स्वामी सर्वप्रियानंद, प्रसिद्ध नेतृत्व वक्ता एवं प्रशिक्षक डॉ० राधाकृष्णन पिल्लई, निदेशक आईक्यूएसी प्रो० संतोष कुमार, एवं भिक्षु स्वामी वेदनिष्ठानंद द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में इंटीग्रेटेड बी०एड० की छात्राओं द्वारा कुलगीत एवं स्वागत गीत की सुमधुर प्रस्तुति की गई तत्पश्चात स्वामी विवेकानंद पीठ के सचिव प्रो०